

रांची

बुधवार, वर्ष 10, अंक 321

# आजाद सिपाही

## जलता नेपाल: पीएम ओली भागे, पूर्व पीएम की पत्नी को जिंदा जलाया

एजेंसी

काठमाडौं। नेपाल में लगातार दूसरे दिन हिस्क घटनाएं जारी रहीं। राजधानी की सड़कों पर युवा प्रदर्शनकारियों का हुन्हूं उमड़ा हुआ है। बेकाबू होनी शिथि के बीच प्रधानमंत्री के पी शर्मा औली ने मंगलवार को पद से इस्तीफा दे दिया और उनके सेना के हेलिकॉप्टर से देश से भागने की खबर है। इसके तुरंत बाद खबर आयी कि राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने भी इस्तीफा दे दिया है, लेकिन यह खबर सही नहीं थी। उहोंने प्रदर्शनकारियों को बातचीत के लिए बुलाया है। राजधानी काठमाडौं में हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं और सुरक्षा बल हालात का काबू में लाने में नाकाम दिख रहे हैं। देश में हिस्क प्रदर्शनों ने हालात को और बिगड़ दिया है। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व पीएम झलनाथ खानाल के घर में आग लगा दी। घर में उनकी पत्नी राज्यलक्ष्मी चित्रकार थीं। वह गंभीर रूप से जल गयीं। उन्हें तुरंत कीर्तिपुर बर्बन अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गयी। राजधानी काठमाडौं और आसपास के इलाकों में हुई झड़ियों और आगजनी में अब तक 22 लोग मरे जा चुके हैं, जबकि चार सौ से ज्यादा लोग घायल हैं। प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन में आग लगा दी और प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली, राष्ट्रपति रामचंद्र

पूर्व पीएम देउबा और वित्त मंत्री को घर में घुस कर पीटा

संसद-राष्ट्रपति भवन, सुप्रीम कोर्ट और मंत्रियों के घर फूंके

राष्ट्रपति ने प्रदर्शनकारियों को बातचीत के लिए बुलाया



नेपाल संसद भवन आग के हवाले

### नेपाली राष्ट्रपति को सेना ने सुरक्षित निकाला

राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को नेपाली सेना ने सुरक्षित निकाल लिया है। नेपाल के राष्ट्रपति को शिवपुरी ले जाया गया है, जहां सेना का ट्रेनिंग सेंटर है। इससे पहले नेपाली सेना ने केपी ओली को भी हेलिकॉप्टर से निकाला था। नेपाल में प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति और पीएम ओली के घर को जला दिया था।

पौडेल और गृह मंत्री के निजी आवासों पर भी हमला कर प्रदर्शनकारी उनके सिने पर लात लगाते हुए दिख रहा है। उनके घर के पास दौड़ा-दौड़ा कर मारा गया। सोशल मीडिया पर युस्ताये युवाओं ने पूर्व प्रधानमंत्री के बायरल एक वीडियो में एक

घुस कर पीटा, जबकि वित्त मंत्री विण्ण पौडेल को काठमाडौं में तोड़फोड़ और आगजनी की।

अलर्ट घोषित किया गया है। नेपाल के 10 से ज्यादा मंत्रियों ने पहले ही इस्तीफा दे दिया था। नेपाल के संचार, वित्त और प्रसारण मंत्री पीरुषी शुभा गुरुंग ने देर रात घोषणा की कि सोशल मीडिया साइटों पर प्रतिवेद लगान का फैसला वापस ले लिया गया है।

सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उप राष्ट्रपति होंगे

संयुक्त विपक्ष के प्रत्याशी बी सुदर्शन रेड़ी को 152 वोटों से हारा



झारखंड के राज्यपाल रघुवंश राधाकृष्णन

चार मई, 1957 को जन्मे डॉ राधाकृष्णन अपनी मातृपाल के राज्यपाल हैं। उन्होंने 31 जुलाई 2024 को यह पद सम्भाला था। इससे पहले उन्हें 18 फरवरी 2023 को झारखंड का राज्यपाल बनाया गया था। डॉ राधाकृष्णन दो बार सांसद और तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष भी रहे हैं।

राधाकृष्णन नाम वाले दूसरे उप राष्ट्रपति

डॉ सीपी राधाकृष्णन ऐसे दूसरे उप राष्ट्रपति होंगे, जिनका उपनाम राधाकृष्णन है। उनसे पहले देश के पहले उप राष्ट्रपति डॉ सर्वपलंग राधाकृष्णन थे, जो बाद में राष्ट्रपति भी बने। यह चुनाव सरकार की मजबूती, संघ और भाजपा के बीच में आपसी तालमेल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की लोगों पर पकड़ का पैमाना था। उप राष्ट्रपति चुनाव में खट्टू सहित लोकसभा सीट से सांसद अमृतपाल असम की फिरबगढ़ को अचानक सिंह द्वारा 21 जुलाई को अचानक इस्तीफा दे देने के कारण यह चुनाव कराया गया।

### राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के उम्मीदवार

## श्री ली.पी. राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुने जाने पर

हार्दिक बधाई एवं  
शुभकामनाएँ



सन्नी टोप्पो  
युवा भाजपा नेता



राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के उम्मीदवार श्री ली.पी. राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

सन्नी टोप्पो युवा भाजपा नेता

संगीत विपक्ष के प्रत्याशी बी सुदर्शन रेड़ी को 152 वोटों से हारा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। चंदपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन देश के 15वें उप राष्ट्रपति होंगे। मंगलवार को हुए चुनाव में उन्होंने संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड़ी को 152 वोटों से हरा दिया। नेपाल को 452 मत मिले, जबकि विपक्ष के प्रत्याशी को 300 वोट मिले। राज्यसभा मंत्रालयीकरण पीसी मोदी ने देर शाम करीब साढ़े सात बजे मतगणना के बाद डॉ राधाकृष्णन के विजयी होने की घोषणा की। 15 राष्ट्रपति चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान हुआ, जिसमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड़ी के बीच सीधी मुकाबला हुआ। सुबह 10 बजे मतदान सुरु हुआ और शाम पाँच बजे तक चला। शाम छह बजे मतगणना हुई और डेढ़ घंटे बाद परिणाम घोषित किया गया। इस बीच भारत सरकार ने वाली उड़ानों को अब लखनऊ के लिए डायरेक्ट बियादा किया गया है। क्रमांक एंड एयरएस्प्रेस पर हवाई सेवा को रोक दिया गया है।

डॉ सीपी राधाकृष्णन ऐसे दूसरे उप राष्ट्रपति होंगे, जिनका उपनाम राधाकृष्णन है। उनसे पहले देश के पहले उप राष्ट्रपति डॉ सर्वपलंग राधाकृष्णन थे, जो बाद में राष्ट्रपति भी बने। यह चुनाव सरकार की मजबूती, संघ और भाजपा के बीच में आपसी तालमेल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की लोगों पर पकड़ का पैमाना था। उप राष्ट्रपति चुनाव में खट्टू सहित लोकसभा सीट से सांसद अमृतपाल असम की फिरबगढ़ को अचानक सिंह द्वारा 21 जुलाई को अचानक इस्तीफा दे देने के कारण यह चुनाव कराया गया।

# मंदिरों की नगरी इचाक : यहाँ हैं 100 से अधिक मंदिर और तालाब

## ■ सरकार पहल करे तो भव्य पर्यटक स्थल बन सकता है इचाक

दीपक सिंह

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। हजारीबाग जिला मुख्यालय से लगभग 13 किलोमीटर दूरी पर स्थित इचाक प्रखड़ क्षेत्र में 3 किलोमीटर क्षेत्र में 100 से अधिक प्राचीन मंदिर और दर्जनों ऐतिहासिक तालाब हैं। यह दुमका के मलूटी से कम नहीं। अगर पर्यटन विभाग नजरे इनावत करे तो इचाक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित हो सकता है। इचाक क्षेत्र रामगढ़ राजाओं की राजधानी के रूप में प्रसिद्ध रहा है। यही कारण है कि परासी, कट्टमसुरी, पुराना इचाक, छावनी जैसे इलाकों में तालाब, मंदिर और बाग-बागीचों की भरमार है, जो इस क्षेत्र की सुंदरता को चार चांद लगाते हैं। मंदिरों की अधिकता के कारण इस क्षेत्र को मंदिरों की नगरी भी कहा जाता है। यहाँ के मंदिर, तालाब और बाग-बागीचे ऐतिहासिक धरोहरों के रूप में जाने जाते हैं। लेकिन हाल के दिनों में इन धरोहरों का सम्पुर्ण देखभाल एवं रखरखाव नहीं होने से इनकी स्थिति जर्जर होती जा रही है। सिंह दरवाजा, बंशीधर मंदिर, भैरवनाथ मंदिर, लक्ष्मी नारायण बड़ा अखाड़ा, श्रीराम जानकी छोटा अखाड़ा, चुदिया माता मंदिर, बनसटांड मंदिर, सूर्य मंदिर समेत कई ऐसे मंदिर हैं जो राजा के समय से स्थापित हैं। अगर पर्यटन विभाग नजरे इनावत करे तो आज सभी मंदिर और मठ की स्थिति बदल सकती है। बड़ा अखाड़ा और छोटा अखाड़ा तो अब खंडहर का रूप लेते जा रहा है। इन मंदिरों को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए ग्रामीण और क्षेत्र के समाजसेवी व जनप्रतिनिधि प्रयासरत है।

**इचाक की ऐतिहासिक धरोहरों की स्थिति**

**सूर्यमंदिर का भी अपना है इतिहास**

मंदिरों, तालाबों की नगरी

कहा जाता है। कभी रामगढ़ राज परिवार की राजधानी इचाक हुआ करती थी। संत-महर्षियों के विश्राम के लिए मठ हुआ करते थे, अब सभी मठ और मंदिर जर्जर हो गये हैं, इसलिए इनका पुरुद्धर जरूरी है।

**बड़ा अखाड़ा को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की जरूरत**

परासी पंचायत का बड़ा अखाड़ा देखरेख के अपाव में जर्जर होते जा रहा है, जबकि इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की कोशश जारी है। इसको लेकर कई बार आवेदन दिये गये हैं, लेकिन अभी तक सकार या पर्यटन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाये हैं।

**प्रसिद्ध है छोटा अखाड़ा**

इचाक का छोटा अखाड़ा जिसे श्री राम जानकी मंदिर भी कहते हैं, लगभग 250-300 साल पुराना है।

आज छोटा अखाड़ा के मरम्मत की जरूरत है। चाहे मुख्य दरवाजा हो या चहारदिवारी, या फिर मंदिर सभी के मरम्मत की जरूरत है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**सूर्यमंदिर का भी अपना है इतिहास**

मंदिरों, तालाबों की नगरी

कहा जाता है। कभी रामगढ़ राज परिवार की राजधानी इचाक हुआ करती थी। संत-महर्षियों के विश्राम के लिए मठ हुआ करते थे, अब सभी मठ और मंदिर जर्जर हो गये हैं, इसलिए इनका पुरुद्धर जरूरी है।

**बड़ा अखाड़ा को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की जरूरत**

परासी पंचायत का अखाड़ा देखरेख के अपाव में जर्जर होते जा रहा है, जबकि इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की कोशश जारी है। इसको लेकिन एक बार आवेदन दिये गये हैं, लेकिन अभी तक सकार या पर्यटन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाये हैं।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

भगवती मठ मंदिर बाबाधाम की तर्ज पर बना है। यह परासी गांव में स्थित है। एक साथ तीन मंदिरों की श्रृंखला है। देवघर की तरह दो मंदिर आमतौर पर सामने जर्जर होते हैं। लेकिन एक बार बगल में स्थित है।

**बाबाधाम की तर्ज पर बना है भगवती मठ मंदिर**

&lt;p

# आजाद सिपाही



## झारखण्ड का 'टीबी कैपिटल' बनता जा रहा है गोला

### आजाद सिपाही

खास

अंजनी कुमार

गोला (आजाद सिपाही)। हरी सभ्याओं और कृषि उत्पादों के लिए चर्चित रामगढ़ का गोला इलाका इन दिनों झारखण्ड का 'टीबी कैपिटल' बनता जा रहा है। प्रदूषण, धूल और धुएं के कारण इस इलाके के लोग टीबी यानी यक्षमा रोग से पीड़ित हो रहे हैं। हालत यह है कि पिछले पांच साल में टीबी मरीजों की संख्या 840 तक पहुंच गयी है। हर महीने 20 से 30 लोग इस संक्रमक बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। इस इलाके में टीबी मुक्त भारत अभियान' पूरी तरह बेअसर साबित हो रहा है।



घटने की बजाय बढ़ रहे हैं मरीज़ों की संख्या घटने की बजाय लगातार बढ़ रही है। अभी यहां दो सो से अधिक टीबी के लोग बीमारी की नवीनी तेजी से फैल रहा है, इसका प्रमाण यही है कि यहां मरीज़ों की संख्या घटने की बजाय लगातार बढ़ रही है। अभी यहां दो सो से अधिक टीबी के लोग बीमारी की नवीनी तेजी से फैल रहा है, इसका प्रमाण यही है।

पिछले पांच साल के दौरान यहां टीबी के 840 मरीज़ों की संख्या घटने की बजाय लगातार बढ़ रही है। अभी यहां दो सो से अधिक टीबी के लोग बीमारी की नवीनी तेजी से फैल रहा है, इसका प्रमाण यही है।

धूल और धुएं के कारण

लगातार बढ़ रहा है टीबी

पीड़ितों का आंकड़ा

जहां-तहां थूकने और खांसने से फैलती है बीमारी: डॉ खराज

जिला यक्षमा पदाधिकारी डॉ रवराज ने बताया कि टीबी संक्रमण से बचाव को लेकर समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि टीबी एक संक्रमक बीमारी है। यह बीमारी छुने से नहीं, बल्कि टीबी मरीजों द्वारा जहां-तहां थूकने और खांसने से फैलती है। उन्होंने बताया कि एक टीबी मरीज 10 लोगों को रोगी बना सकता है। उन्होंने बताया कि एक टीबी लाइलाज बीमारी नहीं है, लेकिन इलाज नहीं होने पर यह जानलेवा हो सकता है।

### गोला में कैसे फैल रहा है टीबी

गोला कभी कृषि क्षेत्र के रूप में विद्युत था। कहा जाता है कि यहां की मिट्टी में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व हैं, लेकिन इस क्षेत्र में संचालित कारखानों ने उपजाऊ भूमि को प्रभावित किया है। इतना ही नहीं, वातावरण को सास लेने लायक तक वहां छोड़ा गया है। प्रदूषण से वातावरण विषेश हो गया है। कारखानों से निकलनेवाली धूल और धुएं से टीबी मरीजों की संख्या बढ़ी है। कारखानों के आसपास रहने वाले लोग इसमें ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

109, 2022 में 125, 2023 में से एक सौ लोगों की जांच की जा चुके हैं। सरकारी अंकड़ों के अनुसार 2020 में 99, 2021 में 143 और 2024 में 201 टीबी मरीज मिले थे। यहां हर महीने 80 टीबी से ग्रस्त पाये जाते हैं।

## चांडिल में नाबालिग से गैंगरेप

■ आदिम जनजाति परिवार की है पीड़िता

■ राशन लाने के लिए दुकान गर्वी थी



### सीडल्ल्यूसी की टीम ने की पूछताछ

चाइल्ड वेलफेर कमेटी की सदस्य पदमा गोराई ने बताया कि तीन सदस्यीय टीम ने अस्पताल पहुंचकर पीड़िता से पूछताछ की है। पीड़िता के परिजनों ने दोषियों को पांसी की सजा देने की मांग की है।

पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि दुकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भगाने में सफल रही। उन्हें गांव पहुंच कर ग्रामीणों के घराने पर तुरंत जंगल में फेंगा और युवकों ने उसे पकड़ लिया और गैंगरेप किया।

जानकारी के अनुसार आदिम जनजाति की दो बच्चियां चाकुलिया स्थित पीडीएस दुकान से राशन लेने गयी थीं। दुकान उनके घर से चार किलोमीटर दूर स्थित है। वापसी के दौरान पास के गांव के दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भगाने में सफल रही। उन्हें गांव पहुंच कर ग्रामीणों के घराने पर तुरंत जंगल में फेंगा और युवकों ने उसे पकड़ लिया और युवकों को फटकार लगायी।

बेहोशी की अवस्था में बाहर निकाला। आनन-फानन में पीड़िता के चिल्ले अंकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भगाने में सफल रही। उन्हें गांव पहुंच कर ग्रामीणों के घराने पर तुरंत जंगल में फेंगा और युवकों ने उसे पकड़ लिया और युवकों को फटकार लगायी।

पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि दुकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भगाने में सफल रही। उन्हें गांव पहुंच कर ग्रामीणों के घराने पर तुरंत जंगल में फेंगा और युवकों ने उसे पकड़ लिया और युवकों को फटकार लगायी।

पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि दुकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भगाने में सफल रही। उन्हें गांव पहुंच कर ग्रामीणों के घराने पर तुरंत जंगल में फेंगा और युवकों ने उसे पकड़ लिया और युवकों को फटकार लगायी।

पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि दुकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भगाने में सफल रही। उन्हें गांव पहुंच कर ग्रामीणों के घराने पर तुरंत जंगल में फेंगा और युवकों ने उसे पकड़ लिया और युवकों को फटकार लगायी।

पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि दुकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भगाने में सफल रही। उन्हें गांव पहुंच कर ग्रामीणों के घराने पर तुरंत जंगल में फेंगा और युवकों ने उसे पकड़ लिया और युवकों को फटकार लगायी।

पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि दुकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भगाने में सफल रही। उन्हें गांव पहुंच कर ग्रामीणों के घराने पर तुरंत जंगल में फेंगा और युवकों ने उसे पकड़ लिया और युवकों को फटकार लगायी।

पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि दुकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भगाने में सफल रही। उन्हें गांव पहुंच कर ग्रामीणों के घराने पर तुरंत जंगल में फेंगा और युवकों ने उसे पकड़ लिया और युवकों को फटकार लगायी।

पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि दुकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भगाने में सफल रही। उन्हें गांव पहुंच कर ग्रामीणों के घराने पर तुरंत जंगल में फेंगा और युवकों ने उसे पकड़ लिया और युवकों को फटकार लगायी।

पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि दुकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भगाने में सफल रही। उन्हें गांव पहुंच कर ग्रामीणों के घराने पर तुरंत जंगल में फेंगा और युवकों ने उसे पकड़ लिया और युवकों को फटकार लगायी।

पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि दुकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भगाने में सफल रही। उन्हें गांव पहुंच कर ग्रामीणों के घराने पर तुरंत जंगल में फेंगा और युवकों ने उसे पकड़ लिया और युवकों को फटकार लगायी।

पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि दुकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भगाने में सफल रही। उन्हें गांव पहुंच कर ग्रामीणों के घराने पर तुरंत जंगल में फेंगा और युवकों ने उसे पकड़ लिया और युवकों को फटकार लगायी।

पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि दुकर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों ने एक बच्ची को पकड़ लिया, जबकि दूसरी बच्ची भगाने में सफल रही। उन्हें गांव प





# संपादकीय

## सड़क पर उतरे युवा

ने पाल में सड़कों पर उतरा युवाओं का गुस्सा अन्वानक आयी प्रतिक्रिया नहीं और न ही सरकार के किसी फैसले से उपजा आक्रोश है। यह लंबे वक्त की बढ़ावा है, जो सब का बाज़ टूटने के बाद जाहिर हो रही है। नेपाल सरकार को सख्ती के बायां समस्या की जड़ को समझना चाहिए और युवाओं से बातचार कर गस्ता निकालने की कोशिश होनी चाहिए।

**अधिकार्यकृति पर बैन :** नेपाल सरकार ने स्थानीय स्तर पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराने के कारण बीते हफ्ते 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन लगा दिया। इनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स (पूर्व में टिकटोर), बर्ट्सएप जैसे बड़े प्लेटफॉर्म भी हैं। सरकार भले सुप्रीम कोर्ट के आदेश और नियमों का हवाला दे रही है, लेकिन उसके इस कदम ने जनता खास युवाओं में दबे आक्रोश को उभार दिया। युवा वर्ग का कहना है कि वह प्रतिव्यंति सीधे उनके काम और अधिकार्यकृति पर है।

**करक्षण से परेशन :** जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपनी उपलब्ध हैं, उन्हीं के जरिये युवा एक-दूसरे से जुड़े और इस अंदोलन को खड़ा किया। इस दौरान नेपाल बीबी ट्रैड करना बताता है कि भाई-भीतीजावाद और करक्षण से लोग किस कदर परेशन हैं। इस साल की शुरुआत में भी ऐसा ही एक अंदोलन हो चुका है, जब देशभर में मांग उठी कि राजशाही

देश की डीजीपी में मानूली तेजी का अनुमान है, लेकिन सरकार युवाओं में उम्मीद और भयोसा जगाने में नाकाम रही है। युवाओं को कोरे वादे नहीं, बदलाव चाहिए।

जुड़ा राह है। विडंबना है कि 2008 में इन्हीं सब मुद्रों को लेकर व्यापक जन आंदोलन छिड़ा था, जिसने राजशाही का अंत कर गणतांत्रिक व्यवस्था कायम की। लेकिन, दो दशक भी नहीं बीते और उस सिस्टम से जनता का मोहब्बंग हो चुका है। उन्हें हुए नेताओं ने लोगों को किस कदम निराश किया है कि 17 बरसों में यहां 14 सरकारें बन चुकी हैं और पूर्व प्रधानमंत्रियों शेर बाहुदूर देउता से लेकर बाबूराम भट्टराई, प्रचंड और मौजूदा पीयां वर्गी शर्मा औंती तक - तमाम राजनेता किसी न तकी तरह के करक्षण के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

**भयोसे की कमी :** नेपाल की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन और प्रवासी नागरिकों की ओर से भेजी गयी रकम पर निर्भर है, पर हाल में दोनों में कमी आयी है। युवाओं में बोरोजारी दर 19.2% है और 82% अबादी informal employment में है। देश की डीजीपी में मानूली तेजी का अनुमान है, लेकिन सरकार युवाओं में उम्मीद और भयोसा जगाने में नाकाम रही है। युवाओं को कोरे वादे नहीं, बदलाव चाहिए।

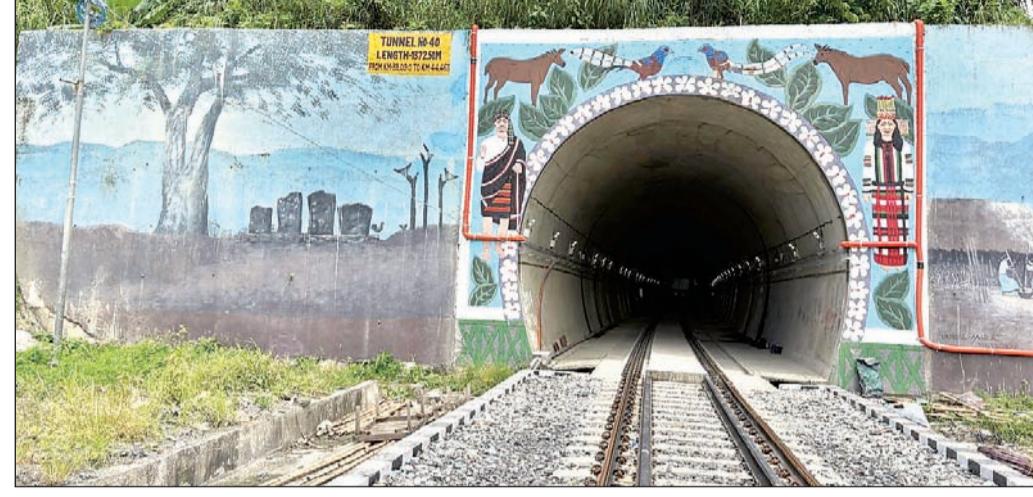
## अभिमत आजाद सिपाही

पूर्वोत्तर भारत की वादियों ने जल्द ही एक नयी गूंज सुनाई देने वाली है- ऐल की सीटी की गूंज। आजादी के 78 साल बाद मिलोराम तक ऐल पटी पहुंचा केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का शब्द है। यह परियोजना उस भौमिका की नियाल है कि यह शास्त्र विनाशक देश और जनसहयोग साथ आते हैं, तो असंवेद वह को जीं संभव बनाया जा सकता है। बड़बां से सायरंग तक बिंची यह 52 किलोमीटर लंबी लाइन मिलोराम को घूली बार सीधे न शिर्फ गारीबी ऐल नेटवर्क से जेडी बिंच विकास, अवसर और आत्मनिर्भरता की नयी राह खोलेगी।

# पहाड़ों से जुड़ी पटरी, सपनों से जुड़ा मिजोरम



गौरव कुमार पुष्कर



मिजोरम, पूर्वोत्तर भारत का वह राज्य जहां आजादी के 78 साल बाद पहली बार रेल सेवा शुरू होने जा रही है। पहाड़ों की गोद में बसे इस खूबसूरत प्रदेश तक रेल पहुंचना अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। बड़बां से सायरंग तक लगभग 52 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बन कर तैयार हो चुकी है। द्रायल रन सफल रहा है और अब इंतजार है तो केवल उस क्षण का, जब इन वादियों में देन की सीटी गूंजेंगी और सफर की कठिनायां मिनटों में सिमट जायेंगी। इस लाइन की शुरू होने से राजधानी आइलान को लेकर गुप्ती रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। यह परियोजना न सिर्फ क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करेगी, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था, शिक्षा और पर्यटन को भी नए अवसर देगी।

‘लैंड ऑफ हिल पीपुल’ कहे जाने वाले इन मुश्किलों को पहली बार खड़ी की। लेकिन इन स्थानों को आसान करने की शक्ति दुर्गम है, लगतार यात्रा के खतरे बने रहते हैं। कई जगह तो उपकरण और निर्माण युवाओं तक पहुंचना बेबद मुश्किल था। यही कारण है कि दशकों तक यहां रेल लाइन बिछाने की असंभवता देखी गयी।

पूरी रेल लाइन ही भारतीय इंजीनियरिंग की एक अद्भुत मिसाल है। इस ट्रैक पर 48 सुर्यों, 55 बड़े पुल और 87 छोटे ब्रिज बने हैं। लेकिन सफलता का प्रतीक है कि यह रेल लाइन निर्माण के दौरान युवाओं को आकर्षित करेगी, बल्कि मिजोरम को पहचान और परंपरा को देश-दुर्भाग्य तक पहुंचाने का माध्यम भी बनेगी।

मिजोरम की खूबसूरत वादियां, बादलों से बांटे करते पहाड़, हवा की ताजगी और बांस की कलाकृतियां पहले ही पर्यटकों को खूबीं देती हैं। अब रेल संपर्क तक यहां के लोगों को आसान बनाकर यात्रियों को आकर्षित करेगी। नार्थर्स्ट प्रस्टियर रेलवे के नियंत्रक तक पहुंचने का आसान बनाकर राज्यीय अर्थव्यवस्था को नवीनीकृत करेगी।

पूरी रेल लाइन ही भारतीय इंजीनियरिंग की एक अद्भुत मिसाल है। इस ट्रैक पर 48 सुर्यों, 55 बड़े पुल और 87 छोटे ब्रिज बने हैं। लेकिन सफलता बड़ी जारी रहती है। यह रेल लाइन निर्माण के दौरान युवाओं को आकर्षित करेगी, बल्कि मिजोरम को पहचान और परंपरा को देश-दुर्भाग्य तक पहुंचाने का माध्यम भी बनेगी।

मिजोरम की खूबसूरत वादियां, बादलों से बांटे करते पहाड़, हवा की ताजगी और बांस की कलाकृतियां पहले ही पर्यटकों को खूबीं देती हैं। अब रेल संपर्क तक यहां के लोगों को आसान बनाकर यात्रियों को आकर्षित करेगी। नार्थर्स्ट प्रस्टियर रेलवे के नियंत्रक तक पहुंचने का आसान बनाकर राज्यीय अर्थव्यवस्था को नवीनीकृत करेगी।

यह रेल परियोजना के दौरान युवाओं में पूरी गयी।

नियंत्रण के दौरान युवाओं में युवाओं को आसानी से लोगों को आकर्षित करेगी। इस लाइन के लिए एक ढांचापाल परियोजना नहीं, बल्कि भारत की विकास यात्रा का ऐतिहासिक पदाव है। यह तकनीकी क्षमता, राजनीति विचारिंग की जांच और सुख्ता मानकों का पालन किया गया।

यह रेल लाइन ही भारतीय इंजीनियरिंग की एक अद्भुत मिसाल है। इस ट्रैक पर 48 सुर्यों, 55 बड़े पुल और 87 छोटे ब्रिज बने हैं। लेकिन सफलता बड़ी जारी रहती है। यह रेल लाइन निर्माण के दौरान युवाओं को आकर्षित करेगी, बल्कि मिजोरम को पहचान और परंपरा को देश-दुर्भाग्य तक पहुंचाने का माध्यम भी बनेगी।

मिजोरम की खूबसूरत वादियां, बादलों से बांटे करते पहाड़, हवा की ताजगी और बांस की कलाकृतियां पहले ही पर्यटकों को खूबीं देती हैं। अब रेल संपर्क तक यहां के लोगों को आसान बनाकर यात्रियों को आकर्षित करेगी। नार्थर्स्ट प्रस्टियर रेलवे के नियंत्रक तक पहुंचने का आसान बनाकर राज्यीय अर्थव्यवस्था को नवीनीकृत करेगी।

यह रेल परियोजना के दौरान युवाओं में पूरी गयी।

नियंत्रण के दौरान युवाओं में युवाओं को आसानी से लोगों को आकर्षित करेगी। इस लाइन के लिए एक ढांचापाल परियोजना नहीं, बल्कि भारत की विकास यात्रा का ऐतिहासिक पदाव है। यह तकनीकी क्षमता, राजनीति विचारिंग की जांच और सुख्ता मानकों का पालन किया गया।

यह रेल लाइन ही भारतीय इंजीनियरिंग की एक अद्भुत मिसाल है। इस ट्रैक पर 48 सुर्यों, 55 बड़े पुल और 87 छोटे ब्रिज बने हैं। लेकिन सफलता बड़ी जारी रहती है। यह रेल लाइन निर्माण के दौरान युवाओं को आकर्षित करेगी, बल्कि मिजोरम को पहचान और परंपरा को देश-दुर्भाग्य तक पहुंचाने का माध्यम भी बनेगी।

मिजोरम की खूबसूरत वादियां, बादलों से बांटे करते पहाड़, हवा की ताजगी और बांस की कलाकृतियां पहले ही पर्यटकों को खूबीं देती हैं। अब रेल संपर्क तक यहां के लोगों को आसान बनाकर यात्रियों को आकर्षित करेगी। नार्थर्स्ट प्रस्टियर रेलवे के नियंत्रक तक पहुंचने का आसान बनाकर राज्यीय अर्थव्यवस्था को नवीनीकृत करेगी।

यह रेल परियोजना के दौरान युवाओं में पूरी गयी।

नियंत्रण के दौरान युवाओं में युवाओं को आसानी से लोगों को आकर्षित करेगी। इस लाइन के लिए एक ढांचापाल परियोजना नहीं, बल्कि भारत की विकास यात्रा का ऐतिहासिक पदाव है। यह तकनीकी क्षमता, राजनीति विचारिंग की जांच और सुख्ता मानकों का पालन किया गया।

यह रेल लाइन ही भारतीय इंजीनियरिंग की एक अद्भुत मिसाल है। इस ट्रैक पर 48 सुर्यों, 55 बड़े पुल और 87 छोटे ब्रिज बने हैं। लेकिन सफलता बड़ी जारी रहती है। यह रेल लाइन निर्माण के दौरान युवाओं को आकर्षित करेगी, बल्कि मिजोरम को पहचान और परंपरा को देश-दुर्भाग्य तक पहुंचाने का माध्यम भी बनेगी।











